

संख्या - 165/1813

G.R. 540/18

9-7-20 काशवाचित अतिशुद्ध कृपाशेकर सातु उर्फ कृपाशेकर
शुभा और सैरान सातुन उर्फ निना उर्फ शुडिया
को V.C के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। किनांक -
22-7-20 के वास्ते पुनः प्रस्तुत करने हेतु।

ल
V.C - J.L
9-7-20

पर्याप्त
09.07.2020

काशवाचित अतिशुद्ध कृपाशेकर सातु उर्फ कृपाशेकर शुभा
की ओर से दाखिल जमानत आवेदन दिनांक 07-07-2020
पर सुनवाई हेतु अलिलेख उपस्थापित किया गया। मुख्य
पर अतिशुद्ध के विद्वान आशिवलता न्यायालय में उपस्थित
हूँ।

जमानत आवेदन को प्रचालित करते हुए वरिष्ठ पक्ष
के विद्वान आशिवलता विवेक करते हैं कि प्रार्थी अतिशुद्ध
विलक्षण निर्दोष हैं तथा कोई अपराध नहीं करी है।
प्रार्थी अतिशुद्ध का नाम अप्रापिकी में नहीं है तथा प्रार्थी
अतिशुद्ध के विरुद्ध कोई आरोप वी खाल्य नहीं है।
प्रार्थी अतिशुद्ध के पास से कोई वसूली नहीं है।
प्रार्थी का गालत हंग के अप्रापिकी अतिशुद्ध जनाका
शुभा कैसाबा गया है। प्रार्थी अतिशुद्ध सिना सिनी
अपराध के दिनांक - 29.06.2020 से न्यायिक हिरासत
में जेल में है। प्रार्थी अतिशुद्ध उचित प्रतिभूति का
बैच पत्र दाखिल करने को तैयार है।

अतः प्रार्थी अतिशुद्ध की जमानत पर मुक्त
करने की कृपा की जाए।

आशिवलता की ओर से विद्वान सातुन वरिष्ठ
जमानत का विवेक करते हैं।

जमानत आवेदन पर उचित बडों का सुना।
अलिलेख का अवलोकन किया।

संख्या - 165/18

G.R. 540/18

लगातार

09.07.2020

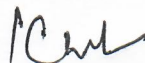
की रूपर होता है कि प्रार्थी अलिप्त इस
कारण के अप्रवाधिकी अलिप्त है तथा प्रार्थी
के विरुद्ध धारा- 380, 457 आदि के अन्तर्गत
आरोप है प्रार्थी अलिप्त दिनांक - 29-06-2020
से अग्रिम क्रिया में है परन्तु प्रार्थी अलिप्त
को अन्य मामलों में वांचित है प्रार्थी अलिप्त के
विरुद्ध डकैती, लुट, चोरी जैसे को अन्य मामलों में
संलग्न होने का साध्य है। प्रार्थी अलिप्त का
वर्क से आपराधिक इतिहास है। प्रार्थी अलिप्त
के विरुद्ध इस कारण के अलावे (i) प्रतापगंज जल
कारण सं. 93/18 (ii) वलुआवमण धारा कारण सं.
32/18 (iii) सचोण धारा कारण सं. 72/18 सं. (iv)
सचोण धारा कारण सं. 76/18 में संलग्न होने का
साध्य है उपरोक्त सभी मामलों चोरी एवं लुट
मौदत से सम्बन्धित है अलिप्त के विरुद्ध
आरोपित धाराएं सम्बन्धित प्रकृति के है उपरोक्त
तथ्यों तथा मामलों की सम्बन्धिता को देखते
इस प्रार्थी अलिप्त को अपात पर मुक्त
करना उचित नहीं समझता है।

अतः प्रार्थी का अपराधिक अलिप्त कृपाशंका

साथ उर्फ कृपाशंका गुप्त की ओर से दाखिल
अपात आवेदन दिनांक - 07.07.2020 - का

Rejected - किया जाता है।

संज्ञाप्ति


आ. प्र. 540/18